[Shri Prabhat Kar].

satisfied that the answer would be available.

Mr. Speaker: Do the Members want that I must first find out whether Government are prepared to give the information and they are ready with the answer, and then only I should put it o n the agenda?

Shrimati Renu Chakravarty: No.

Shri Prabhat Kar: No.

INCIDENCE OF CHOLERA

श्री किशन पटनायक (सम्बलपुर) : मैं स्वास्थ्य मंत्री का ध्यान निम्न अविलम्बनीय लोक महत्व के विषय की ओर आकृष्ट करता हूं और चाहता हूं कि वे इस सम्बन्ध में अपना वक्तव्य दें :

> "उड़ीसा, पश्चिम बंगाल, बिहार, महाराष्ट्र आदि में हैजे का महामारी के रूप में फैलना, जिस के कारण बहुत से व्यक्ति मर गये हैं ।"

स्वास्थ्य मंत्रालय में उपमंत्री (डा० द० स० राजू) : कई राज्यों से यह खबर मिली है कि उड़ीसा, महाराष्ट्र और वेस्ट बंगाल में हैजे की बीमारी बहुत फैल गई है । उड़ीसा में बालासोर और कटक, महाराष्ट्र में ईस्ट खान्देश और वेस्ट खान्देश और वेस्ट बंगाल में कलकत्ता, हावड़ा, मिदनापुर और चौबीस परगना से भी खबर मिली है कि यह बीमारी बहुत फैल गई है । बिहार में गया और पटना से भी यह खबर मिली है कि मई से सितम्बर तक बहुत से केसेज हुए हैं । हमें वेस्ट बंगाल, बिहार और महाराष्ट्र में सन् १९६२ से १९६३ में ज्यादा केसेज मिले । मद्रास और आंध्र प्रदेशों में भी मरने वालों की संख्या अधिक थी । उत्तर प्रदेश में और मैसूर में यह बीमारी बहुत कम थी । असम, गुजरात, जम्मू तथा काश्मीर, यूनियन टेरिटरीज आफ अंडमान और निकोबार आइलेंड्स, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, त्रिपुरा और मणिपुर से यह खबर मिली है कि वहां पर यह बीमारी नहीं है । महानदी बेल्ट में हैजा बहुत ज्यादा होता है और जिन जिलों में यह बीमारी ज्यादा हुई है वह इस बेल्ट का वह भाग है जोकि उड़ीसा के पूर्वी भाग में है । (*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : एक तरफ तो मेम्बर साहबान चाहते हैं कि मंत्री महोदय हिन्दी में जवाब दें, और जब वे जवाब देते हैं तो माननीय सदस्य सुनते नहीं हैं ।

श्री बागड़ी : अध्यक्ष महोदय, हम तो बड़े गौर से सुन रहे हैं । वही लोग हल्ला मचा रहे हैं जो सुनना नहीं चाहते ।

अध्यक्ष महोदय : मैं सभी सदस्यों को मुखातिब कर रहा हूं, सिर्फ बागड़ी साहब से नहीं कह रहा हूं ।

श्री द० स० राजू : यह बात भी सच है कि फेअर्स और फेस्टिवल्स के बाद यह बीमारी आम तौर से शुरू होती है । माननीय सदस्यों को शायद यह भी मालूम है कि कालरा हमेशा गन्दा पानी पीने और खराब चीजें खाने के बाद शुरू होता है । इस के बारे में स्टेट गवनमेंट्स के कर्मचारी हर एक कदम उठा कर इस को रोकने का काम कर रहे हैं । इस को रोकने के लिए उड़ीसा में ६ लाख १७ हजार ६५० लोगों को टीके लगाये गये और महाराष्ट्र में ८ लाख ४३ हजार ६३९ लोगों को टीके लगाये गये, दस महीनों के अन्दर । उड़ीसा में जिस जगह यह बीमारी पहले हुई उस को आठ भागों में बांट दिया गया और वहां पर सीनियर पब्लिक हेल्थ आफिसर्स के साथ में ३५ मेडिकल आफिसर्स, ७० डी०ए०एम०एस० प्रक्टिशनर्स, १९६ सैनिटरी इन्स्पेक्टर्स और ११ फर्मेसिस्ट्स काम कर रहे हैं । यह खबर मिली है कि यह महामारी रुक चली है । अभी पूरी रिपोर्ट की प्रतीक्षा की जा रही है ।

श्री किशन पटनायक : क्या यह सही है कि उड़ीसा में हैजे की मौतों की जो संख्या बतायी जा रही है उस से कई गुना ज्यादा लोग मरे हैं, लेकिन ज्यादा तर को डाइरिया या अखाद्य के कारण बता

[श्री किशन पटनायक]

उन को हैजे में नहीं गिना जा रहा है ? यदि हां, तो क्या मंत्री जी के पास उस साल के की कुल मौतों की संख्या मौजूद है जिससे कि तुलना की जा सके ?

Dr. D. S. Raju: In the State of Orissa, in 1963 there were 2,891 cases of attacks out of which 161 died. In 1962—for the sake of comparison—there were 1,653 cases of attack of which 548 died.

डा० राम मनोहर लोहिया (फर्रुखाबाद) : जिस तरह सरदी बुखार यानी मलेरिया को खत्म करने के लिए सरकार ने विश्व स्वास्थ्य संघ से मदद ली है, उसी तरह हैजे को हिन्दुस्तान से खत्म करने के लिये सरकार विश्व स्वास्थ्य संघ से मदद क्यों नहीं ले रही ?

Dr. D. S. Raju: No help is necessary from WHO. The States are competent enough to deal with the matter. They did not even ask for help from the Central Government.

डा० राम मनोहर लोहिया : अध्यक्ष महोदय, मैं यह व्यवस्था का सवाल उठाता हूं । जब हमारी तरफ से असंगत सवाल होते हैं तब आप रोक देते हैं । इस वक्त मैं ने हिन्दुस्तान में महामारी के बारे में एक सवाल पूछा । क्या इस तरह का जवाब देना सीना जोरी नहीं है ? मैं ने कहा था कि अगर विश्व स्वास्थ्य संघ की मदद से बीस या २५ लाख आदमियों को मार देने वाली इस महामारी का खातमा किया जा सकता है तो फिर उसे करना चाहिये न ।

अध्यक्ष महोदय : पहला हमला तो इसमें मेरे ऊपर है कि आप जब असंगत सवाल करते हैं तो मैं रोक देता हूं । दूसरी बात यह है कि आप कहते हैं कि उससे मदद क्यों नहीं ली जाती तो गवर्नमेंट कहती है कि हमें मदद की जरूरत नहीं, हम खुद इस काम को कर सकते हैं । तो बताइये इसमें मैं कहां आपकी मदद कर सकता हूं ? आप मिनिस्टर साहब से सवाल पूछिये ।

डा० राम मनोहर लोहिया : मैं तो आप के जरिये ही पूछ सकता हूं ।

श्री योगेन्द्र झा (मधुबनी) : क्या यह सही नहीं है कि बिहार में हर साल जब कार्तिक में लोग गंगा स्नान के लिये बड़ी संख्या में आते हैं तो वहां गन्दगी फैलती है और शुद्ध जल की व्यवस्था के अभाव में वहां हर साल हैजा फैलता है ? यदि हां, तो वहां की गन्दगी को दूर करने के लिये और स्वच्छ जल की प्राप्ति के लिये सरकार ने क्या कदम उठाए हैं ?

Dr. D. S. Raju: The disease is generally epidemic in all the river basins, in Orissa, Andhra, Calcutta and Bihar also. We can never control cholera unless we can provide pure water supply and improve the sanitation of these areas. That is the ultimate solution. Till that time we have to rely upon temporary measures like inoculation and other measures. That is the only solution for the time being. We cannot do otherwise.

Shri Nath Pai: Do you call that a reply?

श्री योगेन्द्र झा : उन्होंने मेरा सवाल समझा नहीं ।

अध्यक्ष महोदय : वह कहते हैं कि जहां जहां दरियाओं का बहाव है वहां आम तौर पर शुद्ध जल की व्यवस्था न होने के कारण, जैसा कि माननीय सदस्य ने दुरुस्त बतलाया है, यह बीमारी फैल जाती है । उनका कहना है कि जब तक वहां पर लोगों के लिये शुद्ध जल का वसीला न बनाया जाय तब तक इसको दूर करने का दूसरा उपाय नहीं है । सरकार इसके लिये यत्न कर रही है ।

श्री योगेन्द्र झा : उन्होंने मेरा प्रश्न नहीं समझा ।

अध्यक्ष महोदय : अभी आप बैठिये । यदि नहीं समझा है तो समझाने की मैं कोशिश करूंगा ।

Shri Sonavane (Pandharpur): Is it a fact that before a decade cholera was not prevalent in epidemic form, but in the last two years cholera and small-pox have broken out in epide-

[Shri Sonavane].

mic form in Maharashtra? Is it due to lack of precautions taken by the health authorities both at the Centre and in the States?

Dr. D. S. Raju: No, it is not quite correct. Actually, the epidemic of cholera has been occurring from time to time. Like small-pox, there is a periodicity for cholera also, and every five years there is an incidence. In 1952 we had an epidemic, then in 1958 and this is the third epidemic. Probably the immunity does not last longer than three or four years. So, other measures have also to be taken.

Mr. Speaker: Shri Jha's question was not that cholera spreads due to drinking water being bad, but that people going there and bathing in the Ganges spread their filth and other materials. Have steps been taken to check that, that was his question.

Dr. D. S. Raju: By bathing in such a huge volume of water, the bacteria will be diluted. Contaminated drinking water is a far greater reason for spreading this disease.

Mr. Speaker: What he insists on knowing is whether on the banks of the Ganges, where large numbers collect, arrangements are being made for cleaning all the filth and dirt that collects there.

Dr. D. S. Raju: It is during festivals. State Governments are taking adequate measures for making sanitary arrangements for such festivals.

Shri B. K. Das (Contai): May I know if the Central Government is rendering any help to the States where cholera is found to be endemic?

Dr. D. S. Raju: The Orissa Government stated particularly that they did not want any help from us and no other Government has asked for any particular help.

Shri S. C. Samanta (Tamluk): Is it not a fact that the WHO in collaboration with the Indian Medical Council made an extensive survey of cholera epidemic in India and found that gangetic delta and other places were most endemic? Is any long term measure contemplated by the Government like malaria eradication programme?

Dr. D. S. Raju: It is in view of that report water-supply schemes have been undertaken; rural and urban water-supply schemes are contemplated. Unless and until we provide good water-supply to the rural and urban areas, we cannot solve this problem. Hon. Member knows all that we are doing in regard to water-supply scheme.

डा० राम मनोहर लोहिया : अभी तक इस बारे में मंत्री जी को मैंने जो कहते सुना वह यह कि हैजे के बारे में एक तो क्रम है जिसको कि उन्होंने "पीरियाडिसिटी" कहा, अब क्या वह हमेशा होता ही रहेगा ? दूसरे उन्होंने कहा कि हमारे यहां की जलपूर्ति खराब है इस लिये यह होता है । यह सिर्फ कारण उन्होंने बताये । लेकिन उन को दूर करने के लिये जो सारे उपाय हैं जब वह खुद तो उन को कर नहीं पा रहे हैं तो विश्व स्वास्थ्य संघ की मदद से क्यों नहीं करना चाहते ? खाली एक अपनी इज्जत पर खड़े रहते हैं और लाखों लोगों की जानें हर साल जाती रहती हैं ।

अध्यक्ष महोदय : उन्होंने जवाब दिया कि हमें जरूरत नहीं है । Papers to be laid

श्री बागड़ी : अध्यक्ष महोदय, मेरा नाम भी दिया हुआ है । लेकिन बगैर आपके बुलाये में कैसे पूछ सकता हूं ?

अध्यक्ष महोदय : आप बगैर बुलाये ही बोल दिया करते हैं । खैर सवाल पूछ लीजिये ।

श्री बागड़ी : मैं मंत्री महोदय से यह जानना चाहूंगा कि महामारी के द्वारा इस देश के अंदर लाखों इंसान मरते हैं, उन में

मरने वाले बेश्तर गरीब, दलित, हरिजन और गंदी बस्तियों के लोग होते हैं, उस के बारे में अभी मंत्री महोदय ने जवाब दिया कि पानी की गंदगी की बिना पर और खाद्य पदार्थों के अन्दर जो मिलावट होती है उन की बिना पर यह महामारियां फलती हैं, इस की रोकथाम का प्रबन्ध भी सरकार करती है. मैं मंत्री महोदय से सिर्फ इन बीमारियों के फैलने के बजूहात ही नहीं जानना चाहता—और जहां तक इस महामारी को रोकने का सम्बन्ध है हर वक्त की हुकूमत रह कहती है कि हम इसको रोकेंगे—जानना यह चाहता हूं कि कितने समय में आप इसे रोक सकेंगे ? जब किसी प्रांत की सरकार इन्हें रोकने में असमर्थ होती है ....

अध्यक्ष महोदय : आप सवाल न पूछ कर स्पीच ही करने लग गये ।

श्री बागड़ी : मैं सवाल ही कर रहा हूं । अब दिक्कत यह है कि मंत्री महोदय चूंकि अंग्रेजी ही जानते हैं इसलिये वह मेरी बात को समझेंगे नहीं

अध्यक्ष महोदय : अगर वह नहीं समझेंगे तो मैं उन को बतला दूंगा ।

श्री बागड़ी : अब जैसे उड़ीसा के अन्दर अकाल है इसलिये वहां पर कुछ हैजा ज्यादा हुआ तो क्या केन्द्रीय सरकार द्वारा इस कारण को समझने की कोशिश की गई कि यह महामारी सिर्फ चीजों में गंदगी की बिना पर ही नहीं फैलती है बल्कि खुराक की कमी की बिना पर महामारी का अटैक ज्यादा होता है वरना इसका अटैक वहां पर बड़े लोगों पर क्यों न हो और....

अध्यक्ष महोदय : आर्डर, आर्डर ।

श्री बागड़ी : कितने साल में हो जायेगा ।

अध्यक्ष महोदय : आर्डर आर्डर ।

Dr. D. S. Raju: Hon. Member would like to know that cholera was epidemic in some of the most advanced countries of Europe till about 50-60 years ago. With the improvement in water supply, it was completely eradicated in England, Canada and all these countries. We have got to wait for such a stage when we can improve our water supply—it is important—and sanitation.

Mr. Speaker: Hon. Member is confronting the doctor Minister in this sense that cholera is not only due to filthy water but also due to malnuitrition and other causes.

Dr. D. S. Raju: That is not true.

Mr. Speaker: His second question is how long Government would take to make arrangements?

Dr. D. S. Raju: By the end of the Fourth Plan we hope to provide pure water supply to the whole country.

डा० राम मनोहर लोहिया : कितने वर्ष में इन्होंने कहा है कि यह हो जायगा ?

अध्यक्ष महोदय : चौथे प्लान के आखिर तक के लिये उन्होंने कहा है ।

डा० राम मनोहर लोहिया : इस का मतलब यह हुआ कि अभी ८–१० वर्ष और लगेंगे ।

श्री बागड़ी : अध्यक्ष महोदय, मैं . .

अध्यक्ष महोदय : अब माननीय सदस्य और अधिक नहीं पूछ सकते हैं । वे [illegible] मत डालें और अपनी जगह पर अब बैठ जांय ।

12.30 hrs.

PAPERS LAID ON THE TABLE

STATEMENTS SHOWING ACTION TAKEN BY GOVERNMENT ON ASSURANCES, PROMISES AND UNDERTAKINGS GIVEN; RULES UNDER CINEMATOGRAPH ACT, 1952 AND RULES UNDER PRESS AND REGISTRATION OF BOOKS ACT, 1867.

The Minister of Parliamentary Affairs (Shri Satya Narayan Sinha): I beg to lay on the Table: